

मैंने अपने भाई को जिगोलो बनाया

“चण्डीगढ़ की एक लड़की ने मुझे मेल करके मेरे भाई से चुदने की इच्छा जाहिर की तो मैंने भाई को मना कर उसे चोदने के लिये भेजा। वो लड़की कुंवारी थी और किसी अनजान लड़के से अपनी सील तुड़वाना चाहती थी। ...”

Story By: प्रीति सिंह (preeti890)

Posted: Wednesday, February 3rd, 2016

Categories: [रंडी की चुदाई](#) / [जिगोलो](#)

Online version: [मैंने अपने भाई को जिगोलो बनाया](#)

मैंने अपने भाई को जिगोलो बनाया

नमस्कार दोस्तो, मैं प्रीति फिर हाज़िर हूँ आप लोगों के लिए एक नई कहानी लेकर.. मेरी पिछली कहानी ‘भाई से अपनी चूत की सील खुलवा ली’ आप लोगों ने खूब पसंद की.. मुझे बहुत सारे मेल्स आए.. जिसके लिए मैं आप सभी लोगों का तहेदिल से धन्यवाद करती हूँ।

सभी भाई अपने लण्ड को बाहर निकाल कर हाथ में पकड़ लें और मेरी प्यारी भाभी.. दीदी.. आंटी अपनी चूत में उंगली डालना शुरू कर दें.. क्योंकि मेरी इस नई कहानी को पढ़ कर आपको अपनी चूत और लण्ड का पानी निकालना है।

अब मेरा भाई एक जिगोलो का भी काम करता है, वो यह काम अपना खर्चा पूरा करने के लिए करता है और वो जिगोलो भी मेरे कहने पर बना है। मेरी कहानी को पढ़कर मुझे बहुत मेल्स आए बहुत सारी भाभियों के भी मेल आए.. वो सब भाई से चुदना चाहती थीं। उसमें से एक मेल था चंडीगढ़ की एक लड़की का.. उसने अपना नाम नेहा बताया।

उसने मुझसे कहा- प्रीति जी मुझे आपसे कुछ जरूरी बात करनी है।

मैंने कहा- बोलो क्या बात है ?

उसने मेरे भाई से चुदने की इच्छा जताई उसने कहा- मैं 24 साल की हूँ और एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करती हूँ।

तो मैंने उससे कहा- आपके तो बहुत दोस्त होंगे.. आप वहीं किसी से कर लो।

उसने कहा- नहीं.. मैं किसी अजनबी से चुदना चाहती हूँ। इसमें फायदा है कि किसी को कुछ भी पता नहीं चलता है.. इसमें बदनामी का कोई डर नहीं रहता है।

उसने सबसे बड़ी बात की कि वो अभी तब कुंवारी थी, उसने बताया- मैं अपनी सील किसी ऐसे आदमी से तुड़वाना चाहती हूँ.. जिसको अनुभव हो।

‘ओके..’

उसने कहा- मैं आने-जाने का खर्चा भी दे दूँगी।

मैंने कहा- ठीक है.. मैं अभी भाई से बात करके बताती हूँ।

मैंने यह सारी बात अपने भाई को बताई.. तो वो मना कर रहा था.. फिर मैंने उसे बहुत समझाया.. तो वो तैयार हो गया।

मैंने नेहा को बताया कि वो आने के लिए तैयार हो गया है.. तो वो बहुत खुश हुई।

फिर उसने मुझे अपना फ़ोन नंबर दिया और कहा- जब वो चंडीगढ़ आ जाए.. तो मुझे कॉल कर ले।

मैंने भाई को सब बता दिया।

अब आगे की कहानी में भाई के शब्दों में लिख रही हूँ।

मैं मथुरा से चंडीगढ़ के लिए सुबह दस बजे वाली सुपरफ़ास्ट ट्रेन से निकला और शाम 6 बजे तक मैं चंडीगढ़ पहुँच गया।

वहाँ पहुँचते ही मैंने नेहा को कॉल किया, मैंने उसे बताया कि मैं यहाँ आ गया हूँ.. तो उसने एक होटल का नाम बताया और कहा- आप उस होटल में पहुँच जाओ.. मैं एक घंटे में वहाँ आती हूँ।

मैं उस होटल में पहुँच गया और एक रूम ले लिया। मैं फ़ेश होकर बैठा ही था.. तभी मुझे नेहा का कॉल आया। वो होटल के बाहर खड़ी थी, मैं नीचे जाकर उसको कमरे में लेकर आया।

दोस्तो.. वो एक बहुत ही सुंदर लड़की थी, वो काली पैन्ट और सफ़ेद शर्ट पहने हुई थी। वो आकर मेरे पास बैठ गई और मुझसे पूछने लगी- खाना खाया या नहीं.. ?

मैंने कहा- नहीं..

उसने कहा- पहले खाना खाएंगे.. उसके बाद कुछ करेंगे ।

फिर उसने खाना आर्डर किया और मुझसे बात करने लगी- आप अपनी बहन को कैसे चोदते हो.. आप लोग तो रोज चुदाई करते होंगे.. आपको बहुत मज़ा आता होगा ?

मैंने कहा- ये सब छोड़ो.. ये बताओ आप अपने घर पर क्या बोलकर आई हो ?

उसने कहा- मैं अपनी सहेली की शादी में जा रही हूँ.. बोलकर आई हूँ और सुबह ही घर आऊँगी ।

इतनी देर में दरवाजे पर दस्तक हुई तो नेहा ने दरवाजा खोला । एक लड़का खाना लेकर आया था.. उसने खाना ले लिया और उसे पैसे दे दिए और दरवाजा बंद कर लिया ।

फिर हमने साथ में खाना खाया । खाना खाने के बाद मैंने नेहा से कहा- नेहा जिस काम के लिए तुमने मुझे यहाँ बुलाया है.. अब उसे पूरा करते हैं ।

मैंने नेहा को अपनी बाँहों में जकड़ लिया और उसके होंठ पर अपने होंठ रखे और उन्हें चूसने लगा, उसके पतले-पतले होंठ बहुत ही प्यारे थे.. उन्हें चूसने में मुझे बहुत मज़ा आ रहा था ।

मैं उसके होंठों को चूस रहा था और अपने दोनों हाथों से उसके चूतड़ों को सहला रहा था और दबा रहा था, मैं कभी उसकी चूतड़ों को दबाता.. तो कभी उसके मम्मों को.. कभी उसकी चूत को.. कभी उसकी पीठ को..

ये सब काम में उसके कपड़ों के ऊपर से ही कर रहा था ।

मैंने उसकी शर्ट को उतार दिया और उसके मम्मों को दबाने लगा । फिर मैंने उसकी पैन्ट भी उतार दी । अब वो मेरे सामने सिर्फ लाल कलर की पैन्टी और ब्रा में थी । मैंने उसे अपनी बाँहों में उठाया और बिस्तर पर सीधा लिटा दिया । फिर मैंने भी अपनी पैन्ट और शर्ट को उतार दिया ।

वो बहुत शर्मा रही थी। बिस्तर पर आने के बाद मैं उसे किस करने लगा। सबसे पहले मैंने उसे माथे को किस किया.. फिर कान को किस करने लगा। कान को मैं कभी-कभी हल्का सा काट लेता और उसे चूस भी लेता। मैं उसकी नाक.. गाल.. फिर होंठ.. खूब चूसे। साथ ही मैं उसकी गर्दन को भी चूमने-चाटने लगा।

वो भी मेरा खुल कर साथ दे रही थी, मैंने उसके दोनों हाथों को चूमा।

अब मैंने उसकी ब्रा उतार दी और उसके मम्मों को आजाद कर दिया। मैं उसके मम्मों को कभी दबाता.. तो कभी मुँह में लेकर चूसता.. कभी उसके मम्मों की घुंडी को दांत से हल्का सा काट लेता.. तो कभी उस पर जीभ फिराता।

ये सब मैं इसलिए कर रहा था.. क्योंकि ये उसका पहला सम्भोग था।

फिर उसके मम्मों को चूसने के बाद मैं उसके पेट को चूसते हुए उसकी चूत पर आ गया। उसकी चूत पानी छोड़ रही थी.. तो पहले तो मैं उसकी पैंटी के ऊपर से ही चूत को चाटने लगा। फिर मैंने उसकी पैंटी उतार दी। वो अब भी बहुत डर रही थी।

दोस्तो, उसकी चूत एकदम चिकनी थी, पहले तो मैं उस पर हाथ फिराने लगा फिर उसकी चूत को अपनी जीभ से चाटने लगा।

उसे बहुत ही मज़ा आ रहा था.. वो 'आहें' भर रही थी- आह्ह्ह्ह.. आआह्ह्ह्ह..

आआअह्ह्ह्ह.. हम्मम्म..

थोड़ी ही देर में ही उसकी चूत ने पानी छोड़ दिया। फिर मैंने उसकी चूत में अपनी एक उंगली थोड़ी सी घुसाई.. तो उसे बहुत दर्द होने लगा, फिर मैंने उंगली निकाल ली। अब मैंने भी अपने चड्डी बनियान उतार दिए, अब हम दोनों ही बेड पर एकदम नंगे थे।

चूंकि वो झड़ चुकी थी इसलिए मैं फिर से उसे गरम करने लगा। मैं फिर से उसके मुँह में जीभ डालने लगा। मैं उसकी चूचियां दबा रहा था। वो मेरे लंड को धीरे-धीरे सहला रही थी। मैं उसकी चूचियों को मसलने लगा और हम दोनों एक-दूसरे के होंठों को चूसने लगे।

मैं उसके होंठों को अपने होंठों में दबाकर चूसने लगा।

‘ऊऊऊउह्ह्ह्ह..’

अब मैंने अपनी जीभ उसके मुँह में डाल दी और उसके पूरे मुँह में अपनी जीभ घुमाने लगा। उसके मुँह में घूमती हुई मेरी जीभ से उसे बहुत मज़ा आ रहा था। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

वो मेरे लंड को पकड़कर मुट्ठ मार रही थी। मेरा लंड तनकर पत्थर जैसा कड़क और बहुत गरम हो गया था। उसने मेरा लंड फट से अपने मुँह में ले लिया। वो उसे हब्बियों की तरह चूस रही थी। उसके गरम थूक से मेरा लंड पूरा चिकना हो गया था। वो मेरा लंड इतनी तेजी से चूस रही थी कि मेरा लंड पूरा लाल हो गया।

दस मिनट तक उसने मेरे लंड की ताबड़तोड़ चुसाई की.. फिर मैं उसकी टाँगों को खोलकर उसकी चूत के सामने मुँह करके नीचे बैठ गया। मैंने एक हाथ की दो उंगलियां उसके मुँह में दे दीं।

वो मेरी उंगलियों को ऐसे चूस रही थी.. जैसे कि मेरा लंड चूस रही हो। दूसरे हाथ से मैंने उनकी चूत में उंगली करना जारी रखा।

वो ‘उफ्फफ फफ्फ अहहहह..’ करने लगी। उसकी आवाज़ सुनकर मुझे मज़ा आना शुरू हो गया। वो अपने हाथों से मेरे सिर को सहलाने लगी और मैं तेज-तेज उंगली करने लगा।

‘पच..पच..’ की आवाज़ होने लगी.. उसे दर्द भी हो रहा था.. क्योंकि सील भी नहीं टूटी थी। मुझे मज़ा आ रहा था और 10 मिनट बाद उसकी चूत का रस मेरी उंगलियों पर बहने लगा।

मैं उसकी चूत के दाने को होंठों से चूसने लगा और जीभ से चाटने लगा.. बहुत अच्छा टेस्ट था उसकी चूत का।

मैं अभी भी उसको उंगलियों से चोद रहा था.. वो फिर से झड़ गई और उसका सारा रस निकल गया। मैं उसकी चूचियों के बीच में मुँह डालकर चूचियों को चाटने लगा, उसकी चूची मैंने चाट-चाटकर बिल्कुल चिकनी कर दी थी।

अब मैं उसकी चूचियों के बीच में अपना लंड पकड़ कर रगड़ने लगा। उसने अपने हाथों से चूचियों को दबा लिया और अपने होंठों को नीचे झुका लिया। अब मेरा लंड उनकी चूचियों के बीच से रगड़ते हुए.. उसके मुँह तक पहुँचने लगा। उसने अपनी जीभ लम्बी बाहर निकालकर मेरे लंड के सुपारे को चाटना शुरू कर दिया।

करीब 5 मिनट तक हम ऐसे ही करते रहे। मैं झड़ने वाला था, मैंने उसके मम्मों पर ही पिचकारी मार दी और मैंने एकदम से लंड उसके मुँह में दे दिया और चूसने को कहा.. जिससे लंड टाइट ही बना रहे।

अब चुदाई की बारी थी.. मैंने बिस्तर पर ही उसकी दोनों टाँगों को खोल दिया और उसकी टाँगों को पकड़कर उसकी चूत में लंड घुसाया। उसकी चूत बहुत टाइट थी और चिकनी हो रही थी.. तो लंड बार-बार फिसल जा रहा था।

दो बार ऐसा ही हुआ.. तीसरी बार में.. मैंने उसकी चूत में थूका और अपने लण्ड पर भी थूक लगाया। अब उसकी चूत के छेद में अपने लंड की टोपी फिट करके एक जोरदार झटका मारा और आधा लंड उसकी चूत के अन्दर दे दिया।

वो बहुत जोर से चिल्लाई- आआहूहूह.. निकालो.. वरना मैं मर जाऊँगी.. प्लीज निकाल लो बाहर..

मैंने एकदम उसके मुँह पर हाथ रखकर उसके मुँह को बंद किया। वो तड़पने लगी.. मैं कुछ देर ऐसे ही रहा।

थोड़ी देर में.. वो शांत हो गई, उसकी चूत में से थोड़ा सा खून निकला और बिस्तर पर रिसने लगा ।

अब उसका खून निकलना बंद हो गया था । मैं फिर से हल्के-हल्के धक्के मारने लगा और मेरा लंड उसकी चूत में समा गया ।

अब वो भी मस्त होकर अपनी गांड हिला-हिला कर चुद रही थी । वो मस्ती में कह रही थी-
आआअह्ह्ह.. आआह्ह्ह्ह.. उफ़फ़फ़फ़फ़.. हम्मम्म.. मज़ा आ रहा है.. आअहाहहह..
जानू.. चोदो मुझे.. और तेज चोदो..

और मैं उसको तेजी से चोदने लगा ।

मैं उसके ऊपर लेटकर ताबड़तोड़ धक्के मार रहा था और उसकी गर्दन व चूचियों को जीभ से चाट रहा था । चुदाई शुरू होने के दस मिनट बाद ही वो दूसरी बार झड़ चुकी थी ।

उसके झड़ते ही मैं बिस्तर से नीचे उतर गया और उसे भी बिस्तर के छोर पर खींच लिया । उसकी दोनों टाँगों को अपने कंधे पर रख लिया और उसकी चूत में लण्ड घुसा दिया । अब वो ज्यादा आवाज़ नहीं कर रही थी.. बस मस्ती में चुद रही थी, 'आआअह्ह्ह्ह.. आह्ह्ह्ह्ह्ह.. आहाहह्ह्ह्ह..' वो सीत्कार कर रही थी ।

कुछ देर यूँ ही चोदने के बाद मैंने उसे उल्टा करके घोड़ी बना लिया था । उसका आधा हिस्सा बिस्तर पर था और टाँगें बिस्तर से नीचे थीं.. मेरे सामने उसकी गांड थी ।

मैंने अपने लण्ड को पकड़ कर पीछे से उसकी चूत में घुसा दिया और एक हाथ से उसकी चूचियों को टाइट पकड़ा और दबाने लगा । दूसरे हाथ से उसकी गांड पर थप्पड़ मारके उसे चोदने लगा । वो 'अहहहहह.. आअह्ह्ह्ह... आह्ह्ह्ह्ह्ह.. उफ़फ़फ़फ़फ़फ़फ़फ़.. और तेज.. और तेज..' कहने लगी ।

मैं भी अपनी स्पीड बढ़ाकर बहुत तेज धक्के मारने लगा ।

‘आहाहाहा.. अहहहह.. बहुत मज़ा आ रहा है..।’

उसकी गांड पर मैंने हाथ मार कर पूरी लाल कर दी थी । मैं उसकी चूत को पूरी रफ़्तार से चोद रहा था । मैं उसकी कमर पर जीभ फिराने लगा । करीब 5 मिनट तक उसकी ऐसे ही चुदाई चलती रही । अब वो झड़ने वाली थी और मैं भी झड़ने वाला था । मैंने उसे बिस्तर पर सीधे लिटा लिया और मैं उसके ऊपर आकर उसकी चुदाई करने लगा और साथ ही मैं उसके होंठों को भी चूस रहा था ।

मैंने 4 या 5 झटके जोर-जोर से मारे.. मैं और नेहा दोनों एक साथ झड़ गए । मैंने अपना सारा वीर्य उसकी चूत में भर दिया और मैं ऐसे ही नेहा के ऊपर लेटा रहा । फिर हम दोनों एक-दूसरे से लिपट कर ऐसे ही बातें करने लगे ।

मैंने नेहा की रात में 2 बार और चूत मारी और उसकी हवस मिटाई.. सुबह होते ही उसने मुझे आने-जाने का किराया और 2000 रुपये अलग से दिए । अब सेक्स मेरा प्रोफेशन बन चुका है.. चूंकि मैं एक जिगोलो बन चुका हूँ ।

दोस्तो, मैं प्रीति सिंह आपके मेल का इंतजार कर रही हूँ ।

ps4700410@gmail.com

